

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY.

सं० 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 29, 1973 (आश्विन 7, 1895)

No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 29, 1973 (ASVINA 7, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 4

PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं, जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

**Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements
and Notices issued by Statutory Bodies**

स्टेट बैंक आफ इंडिया

केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई

सूचना

बम्बई, दिनांक 24 अगस्त 1973

स्टेट बैंक आफ इंडिया (सहायक बैंक्स) ऐक्ट, 1959 की धारा 29 (1) के अनुसार स्टेट बैंक आफ इंडिया ने स्टेट बैंक आफ हैदराबाद के निदेशक-मण्डल के साथ विचार-विमर्श करके तथा रिजर्व बैंक आफ इंडिया की स्वीकृति लेकर, श्री एस० के० दत्ता के स्थान पर श्री पी० एस० वैद्य को स्टेट बैंक आफ हैदराबाद के जनरल मैनेजर के पद पर दिनांक 11 अगस्त, 1973 से 10 अगस्त 1976 (दोनों दिन सम्मिलित) तक नियुक्त किया है।

दिनांक 27 अगस्त 1973

स्टेट बैंक आफ इंडिया (सहायक बैंक्स) ऐक्ट 1959 की धारा 29(1) के अनुसार स्टेट बैंक आफ इंडिया ने स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के निदेशक मण्डल के साथ विचार-विमर्श करके तथा रिजर्व बैंक आफ इंडिया की स्वीकृति लेकर श्री पी० बी० शेषगिरी को स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के जनरल मैनेजर के पद पर दिनांक 11 मई 1973 से 24 जुलाई 1973 (दोनों दिन सम्मिलित) तक पुनः नियुक्त किया है।

टी० आर० बरदाचारी
प्रबन्ध-निदेशक

सूचना

बम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1973

सं० एस० बी० एस० नं० 2/1973—स्टेट बैंक आफ इंडिया (सहायक बैंक्स) ऐक्ट, 1959 (1959 का 38वां) की धारा 26, उप-धारा (2) के अनुसार श्री पी० एस० बापना, 2, रेस

M259GI/73

कोर्स रोड, इन्दौर, जो कि तत्त्व ऐक्ट की धारा 25(1) (ग) के अन्तर्गत स्टेट बैंक आफ इन्दौर के बोर्ड पर निदेशक के पद पर नामित किए गए थे, उनकी नियुक्ति अवधि 13 नवम्बर 1973 को समाप्त होती है।

2. इसके द्वारा सामान्य सूचनार्थ यह सूचित किया जाता है कि तत्त्व ऐक्ट की धारा 25(1) (ग) के अनुसार स्टेट बैंक आफ इंडिया ने रिजर्व बैंक आफ इंडिया के साथ विचार-विमर्श करने के बाद श्री पी० एस० बापना को स्टेट बैंक आफ इन्दौर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि के लिए—दिनांक 14 नवम्बर, 1973 से 13 नवम्बर, 1976 तक पुनर्नामित किया है।

सं० एस० बी० एस० नं० 3—स्टेट बैंक आफ इंडिया (सहायक बैंक्स) ऐक्ट, 1959 (1959 का 38वां) की धारा 26, उप-धारा (2) के अनुसार श्री बालजीभाई जे० पटेल, द्वारा गैलेक्सी सिनेमा, रेस कोर्स रोड के सामने, राजकोट, जो कि तत्त्व ऐक्ट की धारा 25(1) (ग) के अन्तर्गत स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के बोर्ड पर निदेशक के पद पर नामित किए गए थे, उनकी नियुक्ति अवधि 30 नवम्बर, 1973 को समाप्त होती है।

2. इसके द्वारा सामान्य सूचनार्थ यह सूचित किया जाता है कि तत्त्व ऐक्ट की धारा 25(1) (ग) के अनुसार स्टेट बैंक आफ इंडिया ने रिजर्व बैंक आफ इंडिया के साथ विचार-विमर्श करने के बाद श्री बालजीभाई जे० पटेल को स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि के लिए—दिनांक 1 दिसम्बर, 1973 से 30 नवम्बर, 1976 पुनर्नामित किया है।

आर० के० तलवार
चेयरमैन

**बी इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स अकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया
कास्ट एकाउन्टेन्ट्स**

कलकत्ता-16, दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० 39 सी० डब्ल्यू० ए० (40)/73—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रैग्यूलेशन 1959 में दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 (1959 के अधिनियम सं० 23) की धारा 39 की उप-धारा (I) के द्वारा दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए दी इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रैग्यूलेशन 1959 में निम्न संशोधन किया गया है जो उपरोक्त धारा की उपधारा (3) के अनुसार पहले प्रकाशित हुआ और जिसका अनुमोदन केन्द्रीय सरकार के द्वारा किया है। उपरोक्त रैग्यूलेशन में : 1 वर्तमान रैग्यूलेशन 46 से 51, अप्रैल 1974 तक प्रवर्ती रहेगा उसके बाद निम्न नए रैग्यूलेशन के द्वारा स्थानापन्न किया जाएगा :

46 मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा की योजना :—]

(1) मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा के दो भागों में भाग होंगे। जैसे भाग I और भाग II और परीक्षार्थी उस समय उत्तीर्ण माना जाएगा जब वह भाग I और भाग II दोनों भागों में योग्यता प्राप्त कर लें। मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी के भाग I में दो ग्रुप होंगे जैसे ग्रुप I पूर्णांक 200 और ग्रुप II पूर्णांक 300 कोई भी परीक्षार्थी साधारण तौर पर उस समय उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। जब वह भाग I के ग्रुप में एक ही बार कम से कम कुल अंक का 50 प्रतिशत प्रति प्रश्न पत्र में और औसत सभी प्रश्नपत्रों के कुल अंक का कम से कम 55 प्रतिशत प्राप्त करे। फिर भी सभी परीक्षार्थियों के कम से कम उत्तीर्ण अंक में परिवर्तन करने का भार परिषद् के निर्णय पर है।

(2) किसी भी परीक्षार्थी को मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा के भाग II में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक वह उस परीक्षा के भाग II उत्तीर्ण न हो चुका हो। परीक्षा के भाग II में थीसिस 200 अंकों की और मौखिक 100 अंकों की होगी। परीक्षार्थी परीक्षा के भाग II में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा यदि वह थीसिस में कुल अंकों के कम से कम 50 प्रतिशत और मौखिक में कम से कम 50 प्रतिशत प्राप्त करता है। थीसिस में या मौखिक परीक्षा में कम से कम उत्तीर्ण अंक के प्राप्त करने में असमर्थता के समय

इस चेंटर के अनुसार उसी थीसिस में संशोधन और सुधार या दूसरी थीसिस पेश करना होगा और हर हालत में मौखिक परीक्षा होगी।]

(3) यदि कोई परीक्षार्थी मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी के ग्रुप I या ग्रुप II परीक्षा अप्रैल 1974 के पहले उत्तीर्ण कर चुका हो उसकी परीक्षा पहले के पाठ्यक्रम के अनुसार होगी और ग्रुप I या ग्रुप II जैसे भी हालत हो उसे मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा जो अप्रैल 1974 के बाद आयोजित होगी नहीं देना होगा।

(4) रैग्यूलेशन 36 से 39, 42, और 43 इस चेंटर के अनुसार होने वाली परीक्षाओं में लागू रहेगा।

47. मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा भाग I में प्रवेश और प्रवेश शुल्क :—

(1) मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा भाग I में किसी को भी प्रवेशाज्ञा नहीं दिया जाएगा जब तक कि इस संस्था के सदस्य होने का नामांकन और परीक्षा के महीने के प्रथम दिन में कम से कम एक वर्ष का समय न बीत चुका हो।

(2) भाग I के किसी ग्रुप या दोनों ग्रुपों की परीक्षा में किसी परीक्षार्थी को एक ही साथ बैठने की प्रवेशाज्ञा दी जाएगी।

(3) परीक्षार्थी को परीक्षा के भाग I के दोनों ग्रुपों के लिए प्रवेश शुल्क 80 रुपए और केवल एक ग्रुप के लिए 45 रुपए देने पड़ेंगे।

48. मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा भाग I के प्रश्न पत्र और पाठ्यक्रम—मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा भाग I के परीक्षार्थियों की परीक्षा निम्न ग्रुपों और विषयों में होगी।

ग्रुप 1

प्रश्न पत्र 1 मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी

(एक प्रश्न—समय 3 घण्टा—पूर्णांक-100)

निम्नलिखित विषयों के अलावे “फिनान्सियल मैनेजमेंट” प्रश्न पत्र के फाइनल परीक्षा के पाठ्यक्रम के विषयों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

पूँजी :—पूँजीकरण की समस्याएं, आवश्यकता, साधन समय और प्रयोग, पूँजी संचय। विशेष और साधारण प्रासंगिक व्यय के लिए संचय। पूँजीपर लाभ। अवमूल्यन नीति। सम्पत्ति या आय के हानि के विरुद्ध रक्षा के लिए बीमा और वैद्य आभार को मानना व्यापारिक वित्त पर मुद्रा के क्रय शक्ति के परिवर्तन की समस्याएं पूर्वानुमान करना और पूँजी के अल्प, मध्यम और दीर्घ कालिक व्यवस्था के साथ उसका सम्बन्ध। विक्रय उत्पादन और दूसरे कार्यात्मक आय व्ययक (वजट) के बीच सम्बन्ध। रोकड़ पूर्वानुमान नियन्त्रण : वर्तमान और अल्पाकालिक लागत के साथ प्रामाणिक लागत की तुलना और विलगाव की परीक्षा करना। निर्धारित योजना की प्रगति या अनुवर्तन की परीक्षा के लिए नियत कालिक या एतदर्थ विवरण पत्र। सम्बन्धित आंकड़ों का उत्तरदायित्व। उत्पादकता और कार्यक्षमता की माप। राष्ट्रीय नीति से सम्बन्धित व्यापारिक नीति और ही किसी खास व्यवसाय के प्रति सामाजिक दायित्व। रिपोर्टिंग : वार्षिक लेखा की प्रस्तुति : कम्पनी कानून की आवश्यकता—आशय पूर्ण आर्थिक आकड़ों का प्रदर्शन। वित्तीय और लागत

लेखांकन का विश्लेषण और प्रबन्ध सम्बन्धी नियंत्रण के लिए रिपोर्टिंग।

प्रश्न पत्र 2 एडवान्सड् मैनेजमेंट टैक्नीक्स

(एक प्रश्न पत्र : 3 घण्टा—पूर्णांक-100)

प्रबन्ध क्या है? प्रबन्ध के उद्देश्य और कार्य/प्रबन्ध के लिए विधि और संगठन। उत्पादन योजना और नियंत्रण : उद्देश्य, योजना, रूटिंग, तालिका करना, भोजना। प्रगति नियंत्रण, निरीक्षण और किस्म नियंत्रण एकोनामिक बीच् क्वान्टिटी। उपकरण, जिम्स फिक्सचर और औजार घर (टूल रूम) परिरक्षण, सामग्री प्रबन्ध और सूची नियंत्रण, प्रमाणिकता सुगमकरण और शिष्टीकरण, विनियमशीलता। जहाज से माल भोजना कार्य आगणन। किसी पदार्थ का (प्रचलित मूल्य के लिए) आन्तरिक यातायात, अनुसंधान, विकास और योजना।

शिल्पकर्म संबंधी अनुसंधान; मूल्य विश्लेषण और मूल्य इंजीनियरिंग संगठन और पद्धति। प्रबन्ध-संबंधी निर्णय के लिए आधुनिक टैक्नीक उत्पादन मूल्यांकन अंतर—कम्पनी स्थानांतरण, इन्टरफर्म तुलना लागत कमी करना।

ग्रुप II

प्रश्न पत्र 3 औद्योगिक सम्बन्ध और व्यक्तिगत प्रबंध

(एक प्रश्न पत्र—3 घण्टा—पूर्णांक-100)

जन-सम्पर्क. औद्योगिक कानून और नियम। सरकारी विभाग। स्थानीय अधिकारी, व्यवसाय संघ। व्यापार संघ। शिल्प विषयक और व्यावसायिक निकाएं। श्रमिक संघ।

जन संपर्क विभाग : सार्वजनिक सेवा के बाहर सेवायुक्त कर्मचारियों के लिए श्रम नीति और कार्यक्रम की व्याख्या, सार्वजनिक संगठनों जैसे समाचार पत्र रेडियो सरकारी एजेंसीज और उपभोक्ता संस्थानों के साथ अच्छा सम्पर्क रखना।

औद्योगिक मनोविज्ञान : औद्योगिक मनोविज्ञान के सिद्धांत और विधि। साधारण बुद्धि और तीव्रता के सम्बन्ध में व्यक्तिगत विभिन्नता बुद्धि और हस्त संबंधी योग्यता और विशेष कौशल। सुधार पर सुधारा हुआ काम करने की अवस्था का प्रभाव। चरित्र, व्यक्तित्व और स्वभाव। मनोविज्ञान और यन्त्र कला के लिए साक्षात्कार। मार्गदर्शन और व्यवसाय का चुनाव। औद्योगिक शिक्षा और प्रशिक्षण का मनोवैज्ञानिक भाव, कार्य प्रोत्साहन और कर्म अध्ययन। औद्योगिक दुर्घटनाएं और दुर्घटनाएं और दुर्घटना औघापन। वातावरण—भौतिक, मशीन सम्बन्धी और संगठन सम्बन्धी थकान, नीरसता और विनोदहीनता, थकान की कमी और आकस्मिक संकट। श्रमिक दल का मनोविज्ञान। श्रमिक की नैतिकता। नैतिकता गठन के साधन, वेतन, सुरक्षा काम में व्यक्तिगत अभिरुचि उद्योग में परिस्थिति, मनुष्य की तरह व्यवहार कर्मचारियों की आवश्यकता अनुरक्ति—राय/अधिकार में व्यक्ति का सहायक नेतृत्व।

कर्मचारी वर्ग का सेवा योजन : श्रम पूर्ति के साधन (संस्थान के भीतरी और बाहरी साधनों से)। सेवा योजन के लिए पद्धति। साक्षात्कार, अभिस्ताव, कर्मचारीवर्ग का अनुसंधान जांच और शारीरिक परीक्षा कार्य का विशेष वर्णन, सेवा योजन की शर्तें, मजदूरी क्रम।

श्रम सम्बन्ध : स्थानान्तरण, पदोन्नति पदावनति, नौकरी से हटाना ले आफ और स्टाफ को छोड़ना। श्रम—प्रबन्ध कलह, उसके बुरे प्रभाव और उपाय। मजदूरी बोर्ड संयुक्त परिषद् आदि। नियोक्ता—सेवायुक्त कर्मचारी की सहकारिता (I) स्कीप रीडक्सन (II) उत्पादन की उत्तमता बनाये रखना, श्रम टर्नआभर। सामूहिक मोल भाव प्रबन्ध और संघ, संघ की सुरक्षा श्रमिक और नियोक्ता श्रमिकों का कार्य से अनुपस्थिति होना। श्रम विधान का प्रभाव। औद्योगिक श्रमील पंचमंडल के निर्णय से बर्धन केस ला। स्थाई आदेश और विभागीय कार्य प्रणाली पर जोर। कर्मचारी का प्रशिक्षण—शिक्ष्यमानता प्रशिक्षण काम के लिए साधारण प्रशिक्षण, आकस्मिक घटना के लिए जांच-औघापन, फोरमैन्स मैनुयल्स क्लेरिकल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कर्मचारी वर्ग को सम्मति देना : किसी कर्मचारी के व्यक्तिगत समस्याओं और कठिनाइयों के बारे में राय देना, यद्यपि वह उसके नौकरी से श्रलग हो। सुरक्षा—दुर्घटना के कारण और उसका खर्चा व्यवसाय सम्बन्धी रोग। दुर्घटना की प्राथिकता दर सुरक्षा कार्यक्रम। स्वास्थ्य और मनोरंजन : आरोग्य विषयक उपाय, आरोग्य शास्त्र (स्नान, शौचालय आदि) और चिकित्सा सेवा (प्रारम्भिक चिकित्सा अस्पताल में भरती, शल्यकर्म सम्बन्धी उपकार और दूसरे निःशुल्क चिकित्सा सेवा) मनोरंजन मण्डली और दूसरे खेल-कूद की व्यवस्था। स्वास्थ्य बीमा योजनाएं। कर्मचारी की सेवाएं : सरकारी जीवन बीमा, अल्पाहार-गृह या केकेटैरिया, कम्पनी या कर्मचारी की सहकारी स्टोर, निवृत्ति और पेंशन योजनाएं, वेतन के साथ छुट्टियां, भविष्य निधि और अनुग्रह धन, गृह निर्माण ऋण, सहकारी सखा समितियां, कर्मचारियों का प्रकाशन; महिला कर्मचारियों के बच्चों के लिए शिशु-गृह; बतलाने योग्य उपाय आदि।

रीति अध्ययन : परिभाषा और उद्देश्य, कार्य का विश्लेषण। कार्य के पदक्षेप की रिकार्डिंग का कार्य पद्धति चार्ट। प्लो प्रोसेस चार्ट का विश्लेषण। कारखाने के नक्शा और संगठन में सुधार। गति विश्लेषण में पदक्षेप। गति अर्थशास्त्र, काम स्थान का नक्शा। श्रम और मशीन के चार्ट का विश्लेषण। निर्माणी उपकरण और सज्जा। गन्दगी का निष्कासन परिश्रम में अध्ययन। काम करने की दशा। श्रमिकों और प्रबन्धकों से सम्बन्धित मानवीय समस्याएँ समय का अध्ययन : परिभाषाएं और उद्देश्य। संगठन और कर्मचारी वर्ग। सज्जा अध्ययन करने का प्रविधि, प्रवीणता, प्रयत्न काम करने की दशा। प्रामाणिक समय प्राप्त करना प्रामाणिक भत्ते, साधन, कार्यहीन समय, थकान और काम करने की दशा की गणना। प्रामाणिक आंकड़े और उनका प्रयोग।

वेतन सिद्धांत : वेतन भुगतान की अन्तर्निहित सिद्धांत, कार्य निष्क्रमण गुण मूल्यांकन, समय और ठेके के काम का भुगतान, लाभांश योजना, प्रोत्साहन योजना नियंत्रण की उपयोगिता और सिद्धांत। व्यक्तिगत और सामूहिक प्रोत्साहन योजना। उत्पादन और क्षमता को सुधारने की विविध वित्तीय और अवित्तीय प्रोत्साहन।

प्रश्नपत्र 4 मार्केटिंग संगठन और विधि

(एक प्रश्न पत्र—समय—3 घण्टा—पूर्णांक-100)

मार्केटिंग कार्य : विक्रय, विक्रय समुपति प्रचार और विज्ञापन से लेकर बाजार अनुसंधान विक्रय योजना पूर्वानुमान, बाजार

विश्लेषण और वितरण पद्धति, मूल्य नीति, विक्रय बजट : विक्रय नीति और मार्केटिंग गतिविधि की व्यवस्था, विक्रय समुपस्थिति विज्ञापन को सम्मिलित कर। थोक और फुटकर विक्रय और उपभोक्ताओं को विक्रय निर्देश देना। विक्रय योजना और वितरण के प्रणाली; विक्रय मूल्य निर्धारण करना; फुटकर स्टोर के प्रकार; एकक् इकाई। बहुमुखी दूकान; विभागीय स्टोर; उपभोक्ता सहकारी संस्था; घर घर जाकर विक्रय और मेल आर्डर व्यापार; प्रोडक्ट इवसचेन्ज द्वारा कच्चा माल विक्रय/ग्राम मेले; बाजार अनुसंधान/विक्रय संगठन : क्रियाशील और कार्यसंबंधी प्रबंधकों के द्वारा विक्रय प्रबंधक का संयुक्त नियंत्रण। क्षेत्र और शाखाओं में विभक्त होना।

विक्रय कार्य-क्रम और अभियान। यांत्रिक विक्रेता और प्रतिनिधि/विक्रय के बाव की सेवाएं, बिक्री करने वालों और सेवा देने वालों का प्रशिक्षण विक्रय पारितोषिक वेतन; दस्तूरी; दलाली; बोनस और दूसरे अंशदान, वास्तविक यांत्रिक और दूसरे अधिक सीधे विक्रय खर्च के अलावे। लोग सम्पर्क/विक्रय का नियंत्रण-उपभोक्ताओं का अभिलेख रखना, यात्रियों और प्रादेशिक परिणाम आंकड़े; विभाग और निर्माणी को प्रेरित करने के पन्नाचार और निर्देश। व्यवसाय के दूसरे विभागों का समन्वय; क्रय स्टोर कीपिंग, नक्शा उत्पादन और परिवहन साधन; लक्ष्य के विपरीत प्रगति की तुलना, निर्यात समुपस्थिति—सरकारी प्रोत्साहन। निर्यात आयात नीति व्यापार समझौते।

प्रश्न पत्र 5 : आर्थिक योजना और विकास

(एक प्रश्न पत्र समय—3 घण्टा—पूर्णांक=100)

आर्थिक योजना की परिभाषा : उद्देश्य योजना की सीमा और आवश्यकता, साम्यवादी पी० एस० लोकतन्त्रात्मक योजना; आवश्यक और निदर्शक रूप योजना; पिछड़े क्षेत्र में योजना। आर्थिक विकास के विभिन्न पहलू; आर्थिक प्रतिफल; वित्तीय आकृति, वित्त का उद्भव।

भारत में आर्थिक योजना और विकास :

मिश्रित अर्थ व्यवस्था। पंचवर्षीय योजना और औद्योगिक विकास। आर्थिक और औद्योगिक विकास के विशेष क्षेत्र; लघु और बृहत् उद्योग; राष्ट्रीयकरण प्रगति का मूल्यांकन; घाटे का अर्थ व्यवस्था मुद्रास्फीति, करभार और सार्वजनिक ऋण; वित्तीय संस्थान; जनसंख्या की समस्याएँ एकस्त्रोजन आर्थिक उन्नति, खाद्य समस्या और खाद्य नीति कृषि विकास, चुंगी निर्धारित करने की नीति, विदेशी विनियम का नियंत्रण; विदेशी नीजी विनियोजना विदेशी विनियोजना की नीति और वातावरण; विदेश व्यापार नीति।

49. परीक्षा फल की घोषणा (1) मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा पार्ट I के उत्तीर्ण प्राथियों को सूची परिषद् के निर्देश के अनुसार इस संस्था के जनरल में प्रकाशित किया जाएगा और व्यक्तिगत रूप से भी प्रत्येक प्रार्थी को पार्ट II के प्रत्येक प्रश्न पत्र में प्राप्तांक की सूचना दी जाएगी।

बशर्ते कि किसी मामले में ऐसा पाया जाता है कि परीक्षाफल भूल, दुर्व्यवहार, जालसाजी गलत व्यवहार या दूसरे किसी तरीके से प्रभावित है तो इस विषय में परीक्षा समिति को यह अधिकार रहेगा कि परीक्षा उसी प्रकार संशोधित करे और समिति जैसा आवश्यक समझती हो घोषणा करे।

(2) किसी प्रार्थी को पार्ट I की किसी परीक्षा के किसी खास प्रश्न पत्र या प्रश्न पत्रों को देखने और मूल्यांकन करने की सूचना पार्ट I के परीक्षाफल घोषित होने के एक महीने के भीतर प्रार्थना पत्र के साथ 10 रुपए देने पर दी जाएगी। शुल्क प्रश्नों के पुनः मूल्यांकन के लिए नहीं बल्कि इसलिए की प्रार्थी के प्रश्न पत्र या पत्रों के देखने और मूल्यांकन हुआ है कि नहीं के लिए होगा। प्रश्न पत्र के किसी प्रश्न या किसी अंश के अंक को किसी भी परिस्थिति में नहीं दिया जाएगा। इस प्रकार के निरीक्षण में यदि यह देखा जाता है कि किसी प्रश्न को देखने या किसी प्रश्न या प्रश्नों के मूल्यांकन या अंकों के योग करने की भूल है तो प्रार्थी का पूरा शुल्क लौटा दिया जाएगा।

50. थीसिस और मौखिक (1) जो परीक्षार्थी पार्ट I मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है उसे एक विषय पर परीक्षा समिति के अनुमोदन के लिए थीसिस प्रस्तुत करना होगा। उसे परीक्षा समिति के निर्देश के अनुसार अंग्रेजी में टाइप या मुद्रित पांच प्रति प्रस्तुत करना होगा।

(2) 9 थीसिस प्रस्तुत करने के सम्बंध में परीक्षा समिति विशेष नियमों को बना सकती है और एक प्रति थीसिस के लेखकों को अवलंबन के लिए भेज दिया जाएगा।

(3) प्रत्येक परीक्षार्थी थीसिस के साथ 100 रुपए देना होगा जिसे वापस नहीं किया जाएगा।

(4) परीक्षा समिति अपने से या उसके द्वारा नियुक्त बोर्ड द्वारा ठीक प्रकार से थीसिस की परीक्षा करेगी और परीक्षाफल परीक्षार्थी को सूचित कर दिया जाएगा। इस संबंध में समिति का निर्णय अंतिम होगा।

(5) किसी परीक्षार्थी द्वारा प्रस्तुत थीसिस का प्रकाशनाधिकार परिषद् को होगा जो आवश्यक होने पर किया जा सकता है।

(6) जो परीक्षार्थी थीसिस में आवश्यक स्तर प्राप्त कर चुका है उसे परीक्षा समिति द्वारा नियुक्त बोर्ड के समक्ष मौखिक परीक्षा के लिए उपस्थित होना होगा।

(7) यदि कोई परीक्षार्थी थीसिस या मौखिक परीक्षा में कम से कम उत्तीर्ण अंक प्राप्त करने में असमर्थ है तो यह उसके इच्छा पर है कि थीसिस में कुछ संशोधन और सुधार के बाद या दूसरी थीसिस को पेश करें और निर्धारित स्तर के प्राप्त करने पर उसे रेग्यूलेशन के अनुसार पुनः मौखिक परीक्षा देनी होगी।

(8) पार्ट II परीक्षा के प्राप्तांक को किसी को बताया नहीं जाएगा जब तक थीसिस और मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण न हो जाय।

51. परीक्षा प्रमाण पत्र और योग्यता प्रदायी पत्र—प्रत्येक परीक्षार्थी को जो इस चैप्टर के अनुसार उत्तीर्ण होंगे उन्हें फार्म 'जे०' के अनुसार प्रमाण पत्र दिया जाएगा। और उन्हें अपने नाम के बाद लेटर डीपमा का प्रयोग करने का अधिकार रहेगा जो इस संस्था के मैनेजमेंट एकाउन्टेन्सी परीक्षा उत्तीर्ण को बताएगा।

एम० एन० घोष
सचिव

बी इन्सटीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1973

सं० 5 सी० ए० (1)/11/73-74—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 4 सी० ए० (1)/20/73-74 दिनांक 19 जनवरी, 1973—के सन्दर्भ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्ट्रों में श्री द्विजेन्द्र भानुप्रसाद बोरा, 8, ठाकुरद्वार रोड, बम्बई-2 का नाम दिनांक 29-8-73 से पुनः स्थापित कर दिया है। (सं० सं० 10108)

दिनांक 3 सितम्बर 1973

सं० 5 सी० ए० (1)/12/73-74—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 4 सी० ए० (1)/1/14/60-61, 1/17/68-69 के सन्दर्भ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित को स्थापित कर दिया है—

1. 618 श्री भगवायुलु वेनकटेश्वरलु एफ० सी० ए० केयर आफ शामा इंजिन वालवास लिमिटेड रेडन रोड पिपलानी पी० ओ० भोपाल, (म० प्र०)—22-8-73।

2. 1754 श्री प्रकाश चन्द सूद ए० सी० ए० केयर आफ हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, रांची-2 (बिहार)। 28-8-73।

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1973

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

सं० 23 ए० आर० (1)/डब्ल्यू/59—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन रूल्स के रूल 6 के आधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दि० कौंसिल आफ दी इन्सटीट्यूट

आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया एतद्वारा निम्न प्रकार अधिसूचित करती है :—

यद्यपि चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन रूल्स के रूल 34 के अनुसार चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन के सदस्यों की वार्षिक साधारण बैठक प्रतिवर्ष 15 मई और 15 जून के बीच होनी अपेक्षित है और यद्यपि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण पश्चिम भारत चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन के सदस्यों की वार्षिक साधारण बैठक 15 मई 1973 और 15 जून 1973 के बीच नहीं हो सकी।

और यद्यपि उपयुक्त रूल्स की व्यवस्थाओं के अनुसार कार्य करने में कठिनाई आ गई है। इसलिए अब उपयुक्त अधिकारों के अन्तर्गत सेंट्रल कौंसिल निर्देश करती है कि पश्चिम भारत चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन के सदस्यों की उपयुक्त साधारण बैठक 22 सितम्बर, 1973 को हो और यह बैठक सही ढंग से और वैध रूप से हुई समझी जाए।

सं० 23 ए० आर० (1) ई०/59—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन रूल्स के रूल 6 के आधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दि० कौंसिल आफ दी इन्सटीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया एतद्वारा निम्न प्रकार अधिसूचित करती है :—

यद्यपि सेंट्रल कौंसिल द्वारा चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन रूल्स के रूल 6 के अनुसार पूर्व भारत चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन को इसके सदस्यों की वार्षिक साधारण बैठक 31 अगस्त, 1973 तक करने की अनुमति दी गई थी और यद्यपि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण यह बैठक निर्धारित समय तक न हो सकी, और यद्यपि उपयुक्त रूल्स की व्यवस्थाओं के अनुसार कार्य करने में कठिनाई आ गई है।

इसलिए अब उपयुक्त अधिकारों के अन्तर्गत सेंट्रल कौंसिल निर्देश करती है कि पूर्व भारत चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स स्टूडेंट्स एसोशियेशन के सदस्यों की उपयुक्त साधारण बैठक 29 सितम्बर, 1973 तक हो और यह बैठक सही ढंग से और वैध रूप से हुई समझी जाए।

सी० बालकृष्णन्
सचिव

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
Bombay, the 27th August 1973
NOTICE

In terms of Section 29(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act 1959, the State Bank of India, after consulting the Board of Directors of the State Bank of Saurashtra and with the approval of the Reserve Bank of India re-appointed Shri P. V. Seshagiri as the General Manager of State Bank of Saurashtra with effect from the 11th May 1973 to the 24th July 1973 (both days inclusive).

T. R. VARADACHARY,
Managing Director.

Bombay-1, the 3rd September 1973

NOTICES

SBS No. 2/1973.—In pursuance of sub-section(2) of Section 26 of the State Bank of India (subsidiary

Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the term of appointment of Shri P. S. Bapna, 2, Race Course Road, Indore, nominated as a Director on the Board of the State Bank of Indore under clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid) expires on the 13th November 1973.

2. It is hereby notified for general information that, in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid), the State Bank of India in consultation with the Reserve Bank of India, has re-nominated Shri P. S. Bapna as a Director on the Board of the State Bank of Indore for a further term of three years from the 14th November 1973 to the 13th November 1976.

SBS No. 3/1973.—In pursuance of sub-section(2) of section 26 of the State Bank of India (subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the term of appoint-

ment of Shri Valjibhai J. Patel, C/o Galaxy Cinema, Opp. Race Course Road, Rajkot, nominated as a Director on the Board of the State Bank of Saurashtra under proviso to clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of the Act (ibid) expires on the 30th November 1973.

2. It is hereby notified for general information that, in pursuance of proviso to clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act (ibid), the State Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India, has re-nominated Shri Valjibhai J. Patel as a Director on the Board of the State Bank of Saurashtra for a further term of three years from the 1st December 1973 to the 30th November 1976.

R. K. TALWAR,
Chairman.

NOTICE

Bombay, the 24th August 1973

In terms of Section 29(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India, after consulting the Board of Directors of the State Bank of Hyderabad and with the approval of the Reserve Bank of India, have appointed Shri P. S. Vaidya as the General Manager of the State Bank of Hyderabad with effect from the 11th August 1973 to 10th August 1976 (both days inclusive) *vice* Shri S. K. Datta.

T. R. VARADACHARY,
Managing Director.

CORRIGENDUM

Bombay-1, the 10th September 1973

No. ADM/27484.—In this office Notification No. Nil dated 4th July 1973, published in Part III—Sec. 4 of the Gazette of India, dated 28th July 1973 :

For : Control Board

Read : Central Board.

V. R. JOSHI,
For Office Manager.

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-16, the 28th August 1973

(Cost Accountants)

No. 39-CWA(40)/73.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, (Act No. 23 of 1959), the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has made the following amend-

ments in the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, the same having been previously published and approved by the Central Government as required by sub-section (3) of the said Section.

In the said Regulations :

The existing Regulations 46 to 51 shall be operative upto April 1974 whereafter they shall stand substituted by the following new Regulations :

46. Scheme of Management Accountancy Examination.—(1) The Management Accountancy Examination shall comprise two Part, viz., Part I and Part II and a candidate shall be deemed to have passed the Management Accountancy Examination when he has qualified in both Parts I and II. Part I of the Management Accountancy Examination shall consist of two Groups, viz. Group I of 200 marks and Group II of 300 marks. A candidate shall ordinarily be declared to have passed in a Group of Part I, if he obtains at one sitting a minimum of 50 per cent of the total marks in each paper and in aggregate 55 per cent of the total marks of all the papers in that Group. The Council may however vary the minimum pass marks at its discretion for all the examinations.

(2) No candidate shall be admitted to Part II of the Management Accountancy Examination unless he has passed Part I of the said examination. Part II of the examination shall comprise submission of a Thesis of 200 marks and a Viva-Voce Test of 100 marks. A candidate shall be declared to have passed in Part II of the examination if he obtains a minimum of 50 per cent of the total marks in the Thesis and a minimum of 50 per cent marks in the Viva-Voce Test. Failure to obtain the minimum pass marks either in the Thesis or in the Viva-Voce Test will necessitate resubmission of the Thesis with modifications and improvements made therein or of another Thesis followed in either case by a Viva-Voce Test as prescribed in this Chapter.

(3) A candidate who has passed in Group I or in Group II of the Management Accountancy Examination prior to April 1974 after being examined under the syllabus then in force shall not be required to pass in Group I or in Group II, as the case may be, of Part I of the Management Accountancy Examination to be held after April 1974.

(4) Regulations 36 to 39, 42 and 43 shall, so far as may be, apply to the examinations held under this Chapter.

47. Admission to Part I of Management Accountancy Examination and Admission fee.—(1) No candidate shall be admitted to Part I of the Management Accountancy Examination unless a minimum period of one year has elapsed between the date of his enrolment as a member of the Institute and the first day of the month of the examination.

(2) A candidate shall be admitted to any or both Groups of Part I at any one sitting.

(3) A candidate for admission to Part I of the examination shall pay a fee of Rs. 80/- for both Groups, or Rs. 45/- for any one Group.

48. Papers and Syllabus for Part I of Management Accountancy Examination :—Candidates for Part I of the Management Accountancy Examination shall be examined in the following Groups and subjects.

GROUP I

Paper I, Management Accountancy

(One Paper—Three hours—100 marks)

Higher treatment of the topics covered in 'Financial Management' paper of the Final Examination syllabus. In addition, the following topics :

Capital : Problems of capitalisation: requirement, sources, period and application; Capital Reserves. Reserves for specific and general contingencies. Return on capital, Depreciation policies. Insurance for safety to guard against a loss of property or income, and to comply with statutory obligations. Problems of the change of purchasing power of money on business finance.

Forecasting : Forecasting and its relation to regulation of capital for short, medium and long term periods. Relationship between sales, production and other functional budgets. Cash forecasts.

Control : Comparisons of current and short-period costs with standard costs, and examination of deviations. Periodical or ad hoc statements to examine progress or compliance with laid down plans. Relating figures to responsibilities. Measurements of productivity and efficiency. Relating business policy to national policy indicating social obligations of the individual undertaking.

Reporting : Presentation of annual accounts; Company Law requirements—meaning display of financial data. Financial & Cost Accounting analysis and reporting for managerial control.

Paper 2. Advanced Management Techniques

(One Paper—Three hours—100 marks)

What Management is? Objectives and Functions of Management, Process and Organisation for Management.

Production Planning and Control: Objectives; Planning, routing, scheduling, dispatching. Progress Control; Inspection and Quality Control. Economic Batch Quantity. Tools, Jigs, Fixtures & Tool-room; Maintenance; Materials Management and Inventory Control; Standardisation; Simplification and Specialisation; Interchangeability. Shipping; Job Estimating (for quotations); Internal Transportation; Research, Development and Design. Operational Research; Value Analysis and Value Engineering; Organisation and Methods. Latest techniques of taking managerial decision. Product-pricing. Intra-Company transfers. Inter-firm Comparison. Cost Reduction.

GROUP II

Paper 3. Industrial Relations and Personnel Management.

(One Paper—Three hours—100 marks)

Public Relations : Industrial laws and rules. Government Departments. Local Authorities. Chambers of Commerce. Trade Associations. Technical and professional bodies. Trade Unions. Public Relations Department; Interpretation of labour policies and programmes to employees and to the outside public; Maintenance of good relations with public organisations like newspapers, radio, Government agencies and consumer organisations.

Industrial Psychology : Principles and methods of Industrial Psychology. Individual differences in regard to general intelligence and smartness, intellectual and manual attainments and special aptitudes. Improvements effected by improved working conditions. Character, personality and temperament. Psychology and technique of interview. Guidance in and selection of vocations. Psychological aspects of Industrial education and training, work incentives and work study. Industrial accidents and accident proneness. Environment—physical, mechanical and organisational. Fatigue, monotony and boredom; decreasing fatigue and occupational hazards. Psychology of the working group. The morale

of the workman. Factors constituting the morale: pay; security; personal interest in work; status in the industry; treatment as a human being; importance attached to employee opinion. Beneficial leadership of persons in authority.

Employment of Personnel : Sources of labour supply (from within the organisation as well as from outside sources). Procedure for employment; interview; recommendations; personnel investigation; tests and physical examination. Job specifications, terms of employment, wage scales.

Labour Relations : Transfer, promotion, demotion, discharge, lay off and quit of staff. Labour Management conflict, its evil effects & remedies. Wage Boards, Joint Councils, etc. Employer-Employee co-operation in (i) scrap reduction; (ii) quality maintenance of products. Labour turnover. Collective bargaining. Management & Labour Union; Security of the Union, the Worker & the Employer. Labour absenteeism. Effects of labour legislations. Case law developing through Industrial Appellate Tribunal Awards. Emphasis on Standing Order and Departmental Procedure. Employee Training—Apprenticeship training; ordinary training for jobs; tests for accident-proneness; Foreman's Manual; Training for clerical staff.

Employee Counselling : Offering advice to an employee about his personal problems and difficulties, even apart from those relating to his employment. Safety—causes and costs of accidents. Occupational diseases. Accident frequency rate. Safety programmes.

Health and Recreation : Sanitary measures; hygienic (baths, lavatories, etc.) and medical services (first-aid, hospitalisation, surgical benefits and other free medical services); recreation clubs and other games and sports arrangements. Health insurance schemes.

Employee Services : Govt. life insurance; Canteen or Cafeteria; Company's or Employees' Co-operative Stores; Retirement and Pension plans; Holidays with pay; Provident Funds and Gratuities; Housing Loans; Co-operative Credit Societies Employee publications; Creches for children of women employees; Suggestive Systems; etc.

Method Study : Definition and objectives. Analysis of operations. Operation process chart recording steps of work. Analysis of Flow Process Chart. Improvements in factory layout and organisation. Steps in motion analysis. Motion economy. Layout of work-place. Man and Machine Chart analysis. Factory tools and equipments. Elimination of waste. Studies in fatigue. Working conditions. Human problems relating to workmen and management.

Time Study : Definitions and objectives. Organisation and Personnel. Equipment. The technique of making a study. Skill, effort and working conditions. Securing standard times. Computing standard allowances, preparations, idle-time, fatigue and working conditions. Standard data and their uses.

Wage Principles : Underlying principles of wage payments. Job evaluation; Merit Rating. Time & piece work payments. Bonus Schemes. Utility of and principles governing incentive schemes. Individual and group incentive schemes. Miscellaneous financial and non-financial incentive to improve output and efficiency.

Paper 4. Marketing Organisation and Methods

(One Paper—Three hours—100 marks)

Marketing Functions : Sales; Sales promotion including publicity and advertisement; Market Research; Sales Planning, Forecasting, Market Analysis and Method of Distribution; Price Policy.

Sales Budget : Formulation of sales policy and marketing activities. Sales Promotion including advertising. Wholesale and retail sales and sales direct to consumers, sales planning and channel of distribution. Determination of selling price. Types of retail stores; Single unit, Multiple Shops, Departmental Stores, Consumers' Co-operatives, House-to-house selling and mail order business. Sale of raw materials through produce exchanges. Village Fairs. Market Research.

Sales Organisation : United control under the Sales Manager filtering through operational and functional managers. Breakdown into areas and branches. Sales programmes and campaigns. Travelling salesmen and representatives. After-sale services. Training of Salesmen and Servicemen. Selling remuneration : Salary, commission, brokerage, bonus and other contributions, besides actual travelling and other more direct selling expenses. Public contacts.

Control of Sales : Maintenance of records of customers, travellers and territorial results. Statistics, correspondence and instructions to despatch department and factory. Co-ordination with other divisions of the enterprise: Purchase, Store-keeping, Design, Production and Transportation. Comparison of achievements against targets. Export Promotion-Government Incentives. Export-Import policy—trade agreements.

Paper 5. Economic Planning and Development

(One Paper—Three hours—100 marks)

Definition of Economic Planning : Objectives, limitations and essentials of planning; Communistic vs. Democratic Planning; Imperative and indicative planning; planning in backward areas. Different aspects of economic development: Economic consideration; Financial aspects; sources of finance.

Economic Planning and Development in India : Mixed Economy. Five-year Plans and industrial developments. Specific areas of economic and industrial development; Small-scale and large-scale industries; Nationalisation. Appraisal of achievements; Deficit financing; Inflation Taxation and public debt; Financial institutions; Problems of population explosion and economic growth; Food problem and food policy; Agricultural developments; Tariff policy; Foreign Exchange Control; Foreign private investments; Climate and policy of foreign investment Foreign Trade Policy.

49. Declaration of Results.—(1) A list of successful candidates in Part I of the Management Accountancy Examination shall be published in the Journal of the Institute in such manner as the Council may direct and each candidate shall also be individually informed of the marks obtained by him in each paper of Part I:

Provided that in any case where it is found that the result of an examination has been affected by error, malpractice, fraud, improper conduct or in any other way, the Examination Committee shall have the power suitably to amend such result and to make such declaration as the Committee considers necessary.

(2) Information as to whether a candidate's answers in any particular paper or papers of Part I of any examination have been examined and valued will be supplied to the candidate on his forwarding within a month of the declaration of the result of Part I an application accompanied by a fee of Rs. 10/- for any or all papers. The fee is only for verifying whether a candidate's answers in any particular paper or papers have been examined and valued, and not for the revaluation of answers. The marks obtained by the candidates in individual questions or in sections of a paper cannot, in any circumstances, be supplied. If as a result of such verification, it is discovered that there has been either an

omission to examine or value any answer or answers or there has been a mistake in the totalling of the marks, the fee for verification shall be refunded in full to the candidate.

50. Thesis and Viva-Voce.—(1) A candidate who has passed Part I of the Management Accountancy Examination shall submit a Thesis on a subject to be approved by the Examination Committee. He shall submit in English five typewritten or printed copies of the Thesis in such manner as the Examination Committee may direct.

(2) The Examination Committee may make special rules in connection with submission of Thesis and a copy thereof shall be forwarded to the writer of the Thesis for their adherence.

(3) Every candidate submitting a Thesis shall do so with a fee of Rs. 100/- which shall not be refundable.

(4) The Examination Committee shall have the Thesis duly examined either by it or by reference to a Board appointed by it and the result of the examination shall be communicated to the candidate. The decision of the Committee in this behalf shall be final.

(5) The copy-rights of the Thesis submitted by a candidate shall vest with the Council who may make such use of it as may be necessary.

(6) A candidate who has attained the required standard in the Thesis shall be required to appear at a Viva-Voce Test before an interview Board to be appointed by the Examination Committee.

(7) If a candidate fails to obtain the minimum pass marks either in the Thesis or in the Viva-Voce Test, he may at his option resubmit either the same Thesis with modification and improvements made therein or submit another Thesis and on his attaining the required standard therein he shall be required to appear at another Viva-Voce Test as provided in this Regulation.

(8) The marks obtained by a candidate in Part II of the examination shall not be intimated to him unless he is declared successful in both the Thesis and the Viva-Voce Test.

51 Examination Certificate and Qualifying Letters.—Every candidate passing the examination under this Chapter shall be awarded a certificate to that effect in Form 'I' and shall be entitled to use the letters "DIP. MA" after his name to indicate that he has passed the Management Accountancy Examination of the Institute.

Explanatory Note on the above Amendments

The Council of the Institute has revised the syllabus of the Management Accountancy Examination effective from June 1974 Examinations. The scheme of the Examination has also been revised. Under the revised scheme the Examination shall comprise of two parts, viz Part I and Part II. Part I shall consist of two Groups and Part II shall consist of a Thesis and a Viva-Voce Test. To pass the Management Accountancy Examination a candidate will be required to qualify in both Parts I and II.

The existing Regulations 46 to 51 shall be operative upto April 1974 and the last Examination under the existing Regulations will be held in December 1973. Thereafter the new set of Regulations shall come into force so as to be effective for and in respect of the Examinations to be held from June 1974.

Under the new set of Regulations provision has been made for granting exemption from individual Groups of Part I of the Examination under the Revised Syllabus for those who pass in Group I or in Group II, as the

case may be, of the Management Accountancy Examination held prior to April 1973.

S. N. GHOSE,
Secretary

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi, the 1st September, 1973

No. 5-CA(1)/11/73-74.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/20/72-73 dated 19th January, 1973 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of members with effect from 29th August 1973, the name of Shri Dvijendra Bhanuprasad Vora, 8, Thakurdwar Road, Bombay-2 (M. No 10108)

The 3rd September 1973

No. 5-CA(1)/12/1973-74—With reference to this Institutes Notifications (1) 4-CA(1)/14(60-61) dated 4th January, 1961, (2) 4-CA(1)/17/68-69 dated the 20th December, 1968, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, with effect from the dates mentioned against their names the names of the following gentlemen—

S. No.	Membership No.	Name and Address	Date of Restoration
1.	618	Shri Bhagavathula Venkateswarlu, F.C.A., C/o Shama Engine Valves Ltd., Raiden Road, Piplani P.O., Bhopal (M. P.)	22-8-1973
2.	1754	Shri Parkash Chand Sood, A.C.A., C/o Hindustan Steel Ltd.,	28-8-1973

The 10th September 1973

(Chartered Accountants)

No. 23-AR(1)/W/59.—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Chartered Accountants Students Association Rules, the Council of the Institute

of Chartered Accountants of India hereby notifies as under :—

WHEREAS according to Rule 34 of the Chartered Accountants Students' Association Rules the Annual General Meeting of Students' Association is required to be held between 15th May and 15th June each year.

AND WHEREAS due to unavoidable circumstances the Annual General Meeting of the Western India Chartered Accountants Students Association could not be held between 15th May 1973 and 15th June 1973

AND WHEREAS a difficulty has arisen in giving effect to the provisions of the said Rules.

Now, therefore, the Central Council, under the powers referred to above, notifies that the Annual General Meeting of the Members of the Western India Chartered Accountants Students' Association be held on 22nd September, 1973 and that the said meeting be deemed to be properly and validly held.

No. 23-AR(1)/E/59—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Chartered Accountants Students Association Rules, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India hereby notifies as under :—

WHEREAS as per Rule 6 of the Chartered Accountants Students' Association Rules the Central Council had permitted the Eastern India Chartered Accountants Students' Association to hold the Annual General Meeting of Students' Association upto 31st August, 1973

AND WHEREAS due to unavoidable circumstances the Annual General Meeting of the Eastern India Chartered Accountants Students' Association could not be held as aforesaid

AND WHEREAS a difficulty has arisen in giving effect to the provisions of the said Rules.

Now, therefore, the Central Council, under the powers referred to above, notifies that the Annual General Meeting of the Members of the Eastern India Chartered Accountants Students' Association be held upto 29th September, 1973 and that the said meeting be deemed to be properly and validly held.

C. BALAKRISHNAN,
Secretary

THE FOOD CORPORATION OF INDIA (HEAD OFFICE)

New Delhi, the 27th August 1973

No. : 3-9-72-EP —In exercise of the powers conferred by Section 45 of the Food Corporations Act 1964 (37 of 1964) and with the previous sanction of the Central Government, the Food Corporation of India hereby makes the following regulations further to amend the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971, namely —

- (1) These Regulations may be called the Food Corporation of India (Staff) (13th Amendment) Regulations, 1973.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 10th August, 1973.
- In the said Regulations in Appendix-I, Part IX, Civil Wing, Category-III posts, for the existing entries under S Nos 10, 11 and 12, the following entries shall be substituted.

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
10.	Draftsman Grade II	150-10 300	25% promotion, 75% direct recruitment	Non-Selection	3 years as Tracer-Cum-Blue Printer	Matriculation or equivalent with Diploma in Draftsmanship after a study of not less than 2 years from a recognised institution	28 years	Draftsman Gr. II	—

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.
11.	Tracer-Cum-Blue Printer.	120-5-150	100% direct recruitment.	—	—	Matriculation or equivalent with technical training certificate in drawing from a recognised institute, 2 years experience in drawing work	25 yrs	—	—

3. In the said Regulations in Appendix-I, Part-IX Engineering Cadre, Electrical Wing Category -III posts, for the existing entries under Sl. No. 15 the following entries shall be substituted:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
15.	Draftsman Grade-II	150-10-300	25% promotion, 75% direct recruitment	Non-Selection	3 years. as Tracer-Cum-Blue Printer	Matriculation or equivalent with Diploma in Draftsmanship after a study of not less than 2 years from a recognised institution	28 yrs	Draftsman Grade-II	—

4. In the said Regulations in Appendix-I, Part-IX, Engineering Cadre, Mechanical Wing, Category III posts, for the existing entries under Sl. No. 31, the following entries shall be substituted:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
31.	Draftsman Grade-II	150-10-300	25% promotion 75% direct recruitment.	Non-Selection.	3 yrs. as Tracer-Cum-Blue Printer	Matriculation or equivalent with Diploma in Draftsmanship after a Study of not less than two years from a recognised institution.	28 yrs.	Draftsman Grade-II	—

B.D. BERERA,
OFFICER ON SPECIAL DUTY (FP).